

ॐ नमो श्रीगणेशाय नमो ॥ श्रीगणेशाय नमो ॥
ॐ नमो श्रीगणेशाय नमो ॥ श्रीगणेशाय नमो ॥

श्रीगणेशाय नमो

ASHA ARCHIVES
/ 446

अग्निनिः नक्षत्रः सप्तवासानः देवजाग्रिः सप्तसत्त्वः॥

हनुनिः नक्षत्रः षष्ठवासानः मानुष्यजाग्रिः किसिप्तत्त्वः॥

कुर्त्तिकाः नक्षत्रः अग्निनिः कुन्तुः वासानः लाजसजाग्रिः चालसप्तत्त्वः॥

नारिणिः नक्षत्रः हस्तिवासानः मानुष्यजाग्रिः नागसत्त्वः॥

मृगशिरः नक्षत्रः चतुर्वासानः देवजाग्रिः नागसत्त्वः॥

आर्द्राः नक्षत्रः विवासानः मानुष्यजाग्रिः रिव्यासत्त्वः॥

पुनर्वसु नक्षत्रः यत्यवासानः देवजाग्रिः रिव्यासत्त्वः॥

पुष्यः नक्षत्रः पुनर्वसुः वासानः मानुष्यजाग्रिः वामसप्तत्त्वः॥

अश्लेषः नक्षत्रः कौषवासानः नाव्यजाग्रिः हस्तिप्तत्त्वः॥

मघः नक्षत्रः मघवासानः नाव्यसजाग्रिः कुंप्तत्त्वः॥

पुष्यारुद्रा नक्षत्रः लोहवासानः मानुष्यजाग्रिः सिंहासत्त्वः॥

उक्तेनरा नक्षत्रः लोहवासानः मानुष्यजाग्रिः ग्वसत्त्वः॥

हस्तः नक्षत्रः किसिवासानः देवजाग्रिः मघसप्तत्त्वः॥

चिन्ताः नक्षत्रः पुरुषवासानः लाजसजाग्रिः व्याघ्रसत्त्वः॥

स्वातिः नकुशः दुर्लवादानः देवजातिः मससत् ॥
 विष्मवः नकुशः रुसिवादानः नाकुसजातिः व्याघसत् ॥
 जनुनादः नकुशः हंसवादानः देवजातिः चनासत् ॥
 क्षुष्टः नकुशः कायलवादानः नाकुसजातिः चनासत् ॥
 मुतः नकुशः लिनवादानः नाकुसजातिः खिवासत् ॥
 पुवाषादाः नकुशः वीरुमिवादानः मानुष्यजातिः माकतसत् ॥
 डकुनाषादाः नकुशः वीरुमिवादानः मानुष्यजातिः सासत् ॥

अलवनः नकुशः नकुशः देवजातिः मससत् ॥
 धनष्टः नकुशः वीरुमिवादानः नाकुसजातिः सिंदसत् ॥
 गमरिषः नकुशः धसवादानः नाकुसजातिः सलसत् ॥
 पुर्वरुदः नकुशः कायुमिवादानः मानुष्यजातिः सिंदसत् ॥
 डकुनरुदः नकुशः कायुमिवादानः मानुष्यजातिः सासत् ॥
 नवकिः नकुशः वक्रवादानः देवजातिः किसिसत् ॥

रा	शु	तु	सा	न	रु	जै	जा
सा	न	रु	जै	जा	शु	तु	सा
जै	जा	शु	तु	सा	न	रु	जै
तु	सा	न	रु	जै	जा	शु	तु
रु	जै	जा	शु	तु	सा	न	रु
शु	तु	सा	न	रु	जै	जा	शु
न	रु	जै	जा	शु	तु	सा	न

व्याघ्र सिंह मस नवल
 सा किसि सल वि सिवारुसि तु शुक्र सल नवल यानसा वि
 माकलयाः सङ्गः शिवा रुसिः रुमियानसाः कुः थ ठ व र्ण वि
 ला ध धायः लाजानः स्पव कवः म्रियु लुखवः लवमगाव स्पयशसा

ज्यादि थया दसा ३३ हा ३३ हंरुना	वैदया दसा ३३ हा ३३ हंरुलैः
म जन्म नागविन्नादयुः	हिं जम वस्तानसधालारः
म दिनिय उग सानिशायुः	म द्विक्रिय नाज हयदयुः
हिं गनिय स्नानलारः	हिं गनिय स्नानलार मानंदयु
म चतुर्थ उग सानिहृ शयुः	म चतुर्थ गस कुबिलाग
म पंचम धननास शयुः	म यंकुम व्याधिवृत्त शयु
हिं षष्ठम लाग शक नासः	हिं षष्ठम सुखकायेसि

म प्रथम नागा शयु	हिं सप्तम मानसधालमिनाल
म अष्टम कुडितोगा शयु	म अष्टम नकलाग शयुः
म नवम गुरुविद्वि शयु	म नवम कुडितोगा शयुवः
हिं दसम कायेसिद्धि	हिं दसम कायेसिद्धिलारः
हिं नकादणः माननाल दयु	हिं नकादण नश्वयेः मिक्तलारः
म द्वादस असर ह दयु	म द्वादस धनसानिशयुः

अंगमलयादम गुहा गुह रुतं
म जन्म लागविशहयुः
म द्विष्टय नाजहयदयुः
हिं कृमिय धनगडा विष्टः
म बहुथ अन्नाहः मिष्टुः
म वंरम नामा लागदयुः
हिं वष्टम भक्त नासहयुः

बुध यादम गुहा गुह रुतं
म जन्म धनहानिरहयदयुः
हिं द्विष्टिय धनगहः सुष्टः
म कृमिय भक्तसंज्ञाः धनहानी
हिं बहुथ द्रव्यगहः दयुः
म यंश्चम भक्तविष्टिहयुः
म यंश्चम भक्तविष्टिहयुः

म सक्रम नहु लागहयुः
म जष्टम मष्टु रवंदः
म नवम कुवि लागहयुः
हिं दगम मध्वमरुतं
हिं नृकाद अर्थगहः
म द्वादश हानिरुतं

म सक्रम मवि लागहयुः
हिं जष्टम धनपुगुस्ती लाहः
म नवम नहु लागहयुः
हिं दगम भक्तनामहयुः
हिं नृकादस धनगह दयुः
हिं द्वादस असहविष्टिहयुः

वृत्तस्य दम्भः शृङ्गः
म जन्म बुद्धिस्तानि विवादः
हि द्विष्ट्य अथनाह रूलः
म मिष्ट्य चिन्तकः कष्टश्रुः
म बहुथ सितनागश्रुः
हि यन्म पुत्रः धननाह
म वक्ष्यम शक्रु विविष्ट्यः

शृङ्गः कुर्यादसाः शृङ्गः
हि जन्म धननाह दयुः
हि द्विष्ट्य यामः शृङ्गः
हि मिष्ट्य मध्यमः रूलः
हि बहुथ सामथः शृङ्गः
हि यन्म धननाह दयुः
म वक्ष्यम नागविदाः श्रुः

हि सफम सवेलाहः
म ज्वरम हानिः सलनः
हि नवम अथ सिद्धिदयुः
म दम्भम स्नानः कष्टश्रुः
हि नकाद सख्यप्राप्तिः
म द्वादसे संक्रायः सितनागः
वृत्तिः वृत्तिदम्भः शृङ्गः

म सफम सिद्धिदयुः
हि ज्वरम सवेलाहः
हि नवम माननाहः
म दम्भम धनहानिरूलः
हि नकादसः श्रुः लाहः
हि द्वादस मध्यमः रूलः
वृत्तिः शृङ्गः वृत्तिदम्भः शृङ्गः

शनिश्चतुर्दशशुभशुभ

म जन्म मृगशिराशुभ

म द्वितीयः धननाशशुभ

हि त्रितीयः पशुलाहदशुभ

म चतुर्थः वृषविद्याशुभ

म पंचमः पुष्यविद्याशुभ

हि षष्ठमः मृगशिराशुभ

शनिश्चतुर्दशशुभशुभ

म जन्म विषयः भवनविद्याशुभ

म द्वितीयः भवनविद्याशुभ

हि त्रितीयः नानाशुभ

म चतुर्थः निष्पत्तिशुभ

म पंचमः कुजिन्नाशः पुष्यविद्याशुभ

हि षष्ठमः मध्यमरुतः

म सप्तमः कुजिन्नाशः

म अष्टमः मरुतः

म नवमः धननाशः

हि दशमः मध्यमरुतः

हि एकादशः लाहदशुभ

म द्वादशः धननाशः

शनिश्चतुर्दशशुभशुभ

मि

दश

म सप्तमः कुजिन्नाशः

म अष्टमः विपत्तिः कलरुतः

म नवमः पशुदशः मृगशिराशुभ

हि दशमः संप्राप्तशुभ लहः

हि एकादशः धनलाहदशुभ

म द्वादशः मृगशिराशुभ

शनिश्चतुर्दशशुभशुभ

मि

क दम्भ उदरादुहं
 म जन्म लम्बकसेनायशयुः
 म द्विष्ट्य धननासशयुः
 हिं नृत्तियसुखनाहदयुः
 म वगुर्ध्र नागाशयुः
 म वैवम कार्यानासशयुः
 हिं वस्त्रा पद्वेन्दु नाहदयुः

१७ निचक्रं नलाकालं लिख्य द्युतं
 अनिकृष्टं गुः ननु प्रः प्रकुंद
 त्याः यावन्नामन नस्यैवः गा वेंन
 विचालये गदः यमर्थं अहं अ
 हं ॥ अनिश्चनतः लो गया दान
 अगा दिन वीय इ नो ॥ अहं ॥ ४
 नव ॥ १९ अलस ॥ अनिरुत ॥

म सप्तमं शुद्धिनाम गायत्र्युः
म अष्टमं शुद्धिनाम गायत्र्युः
म नवमं शुद्धिनाम गायत्र्युः
म दशमं शुद्धिनाम गायत्र्युः
हि शुद्धिनाम गायत्र्युः
म अष्टमं शुद्धिनाम गायत्र्युः
ॐ शुद्धिनाम गायत्र्युः

गव ७ १ डिकलाहास ॥ नाहरुल ॥
 गव ७ २ दुमिनियास ॥ दुमितिर्वरुल ॥
 गव ७ ३ खवनाहास ॥ नागरुल ॥
 गव ७ ४ नुगतस ॥ लञ्जीलाहरुल ॥
 गव ७ ५ कयालस ॥ रुमिनाहरुल ॥
 गव ७ ६ मिखास ॥ सखहयुरुल ॥
 गव ७ ७ गुक्षस ॥ मिगुरुल ॥ पाजवि ॥ अय ७

द्वितीय

जन्म

द्वादश

तृतीय २
३

१

१२
११ अक्षय

५१७

चतुर्थ ४

२ वासि
वक्र ॥

दसम
१०

८

पंचम ५
६

७

६ अक्षय

षष्ठम

७ अक्षय

८ अक्षय

ASHA ARCHIVES

जान १९५६
१४४६

ASHA ARCHIVES

र गानि

ग ४ कालवेला ॥
व ४ गुरुवेला ॥
ज ४ लागवेला ॥
न ४ उद्धमवेला ॥
श ४ बलवेला ॥
वु ४ ताहवेला ॥

म शत्र नाश ॥

ग ४ कालवेला ॥
व ४ ताहवेला ॥
न ४ उद्धमवेला ॥
व ४ गुरुवेला ॥
व ४ अमनवेला ॥
श ४ बलवेला ॥

व ४ अमनवेला ॥
ग ४ कालवेला ॥

ज ४ लागवेला ॥
ग ४ कालवेला ॥

अनिवार्याः दिन्याः नानियाः हा नावेलाः ज अ स नि व ग थ काल

जा	सा	र	म	प	उ	ग
अ	म	अ	र	अ	उ	ग
र	जा	म	वि	अ	अ	उ
क	उ	उ	स्वा	म	अ	उ
मा	अ	उ	वि	उ	अ	ग
म	अ	र	अ	उ	अ	ग
जा	म	वि	अ	अ	उ	र

नमः नमः
 अनेन्यथा ॥ धनसार ॥
 कावदेद ॥ मासारय ॥
 धनमाजयाग नन स्व ॥
 पुजापति । पुजासुषि ॥
 सोम्य सर्वसिद्धि ॥
 ध्याऊ मरुनादे ॥

उ	उ	स्वा	म	अ	उ	क
अ	उ	वि	उ	अ	अ	ग
अ	र	अ	उ	अ	अ	म
म	वि	अ	अ	उ	र	जा
उ	स्वा	म	अ	उ	क	उ
उ	वि	उ	अ	अ	ग	अ
र	अ	उ	अ	अ	म	अ

ध्याऊ वसर ॥
 श्रीवक्त्र नगनत्रार
 वज्र नागदागा
 मुक्तिगत्र ग्याकन
 केश सर्वसिद्धि
 मित्र मित्रार
 मानस अमृतरार

वि	अ	ज	उ	र	जा	म	प्रभाउः	कमोसिद्धि
स्वा	म	ध	उ	क	उ	उ	लम्पकेः	कामनास
वि	उ	ग	न	ना	ष	उ	उत्पकेः	माहालय
ज	उ	उ	ज	म	ज	र	मृग्युधागः	मृग्युक्ता
अ	ज	उ	र	जा	म	वि	काग	कार्यनास
म	ग	उ	क	उ	उ	स्वा	सिद्धिधागः	कार्यसिद्धि
उ	ध	न	ना	ष	उ	वि	रुधागः	कुमात्राग्व
उ	ग	ज	म	ज	र	ज	जमृगुसिद्धिधाग	भाजनत्रार

ज	उ	र	जा	म	वि	अ	मृगल॥
ग	उ	क	उ	उ	स्वा	म	गदा कनर
ध	न	ना	ष	उ	वि	उ	मार्गग गजनाम
ग	ज	म	म	ज	र	उ	ताकुस लयदंभी
उ	र	जा	म	वि	अ	ज	वल वनकनम
उ	क	उ	उ	स्वा	म	ग	मितर मित्रकर्म
न	ना	ष	उ	वि	उ	ध	प्रवद्रु बुद्धिदागा

१ वक्रि ज्ञायागसिरम ॥

आ	सा	जं	उ	वृ	शु	ना	वान
वि	उषा	ध	न	ना	नि	उफ	उन्नातयाग
नु	उषा	नि	म	ग	र	मृ	मृयाग
अ	मि	ए	र	क	म	वि	काणायाग
र	वि	उषा	ध	उर	ध	न	गरुजन्म
म	वि	आ	म	ना	ना	उषा	यमपुष्पा
१२	११	१०	९	८	७	६	कृष्णवायाग

१ शुरुयागसिरम ॥

आ	सा	जं	उ	वृ	शु	ना	वान
मि	मृ	जं	र	नु	उषा	ना	आनीन्दयाग
मं	ज	उषा	र	उ	उर	खा	सिद्धियाग
उ	ना	र	ना	मि	ग	ना	अमृषयाग
र	मृ	मि	नु	मि	न	ना	अमृषसिद्धियाग
र	ना	मृ	मि	अ	म	सिद्धियाग	
८	७	६	५	४	३	२	अमृषकिथि

१ अथ दानपत्र लिखितम्

१४	३०	४८	६०	द्या
पा	प्र	दि	रु	च
अ	१६	११	०	१
रु	०	११	१८	१०
रु	५	१२	१८	१६
त्रा	८	१	१२	८०
मृ	६	१८	३०	१६

पाद
अष्टशतदान
लाहं दान
शुद्धमदान
शुद्धमदान
नामदान

त्रा	०	१३	२	८०	शुद्धदान
पु	२१	१	२१	१८	तवनदान
व्य	३०	०	१	१२	रोष्यदान
अ	०	०	०	०	पीनदान
म	३०	०	०	१८	लभतदान
प्र	१८	१६	१८	१६	स्वस्मदान
उ	१०	१	१०	०	शुद्धदान
रु	०	१३	५	२०	वृद्ध आन

वि	२	१६	१०	१	पिण्डदान
----	---	----	----	---	----------

सा	३०	०	१	२४	अन्नदान
----	----	---	---	----	---------

वि	२०	११	१६	१६	मित्रदान
----	----	----	----	----	----------

अ	१६	१	२२	४०	दूषणदान
---	----	---	----	----	---------

च	२२	१६	४०	१	पीणदान
---	----	----	----	---	--------

मू	१६	१४	१६	१६	अर्चनदान
----	----	----	----	----	----------

उ	०	११	१६	३४	दण्डदान
---	---	----	----	----	--------------------

कात्त ~~दान~~ दान

उ	१०	१६	१०	१	स्वर्गदान
---	----	----	----	---	-----------

गु	४०	११	१६	१४	गृहदान
----	----	----	----	----	--------

घ	१०	१६	१४	३४	कर्मदान
---	----	----	----	----	---------

अ	४	१०	१४	१४	जीतः
---	---	----	----	----	------

पु	०	१२	१६	१४	जीतः
----	---	----	----	----	------

उ	१४	१०	३०	१	जीतः
---	----	----	----	---	------

न	१६	१६	१४	४	लग्नदान
---	----	----	----	---	---------

हंसी

प्राणाहर

॥

॥ ॥

वायुनमोदते॥

~~वायुनमोदते॥~~

सगुरिषः श्राद्धः उग्ररुद्र
नपातः उग्ररुद्रः प्राणादि

वायुचमेन्दसे

रुद्र विष्णु स्वादि मृगमित्र

पुनवसु उग्ररुद्रः

नपातः ~~वायुचमेन्दसे~~ रुद्रः॥

कर्मवध

हः अनुः विः शुः मि
स्वाः नः अग्निः श्वः उ
मया वाना ॥ ८ ॥ ३ ॥ ३ ॥
मध्यमसा अपुषम
वर्षा ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ॥ ॥

ना म आ पु मि ॥ ३ ॥
म ह वि स्वा अनु उउउ
ध पुपुपुन मु
वान ८ ३ आ
वर्ष ८ ॥ ॥

✓

वृष वध कर्म

विवाहा कर्म

अस्तु मिमदा धमा न अनु म ना मु ह
स्वा अग्निः श्वः उ स्वा उउउमः वान
वान ॥ ८ ॥ ३ ॥ आ ॥ तम ८ ८ ३ ॥ केविपुना
मध्यमसा ~~अपुषम~~ तम आसा ॥ तम केपुमि
८ ॥ धः ३ ॥ सिः ॥ मी ॥ मिथी ॥ दि ॥
पी ॥ ८ ॥ ३ ॥

दिआकमे

वर्ष २ मास मारु वे

आत्रि कापा ॥

उ वि उ उ पु नि शु स्वा

जात्रामः म म नो न

रु ॥ वात जाः उः दः शुः

ना ॥

नरुः पु पा षा क मे

मृ ४ उ उ उ पु नि

ना शु उ शु वि च वृ

रु रु स्वा रा अ वि

वात जा उ द शु

वाक्रिपति ग्रह

नवनिः आरि निः नि

उ उ उ च म क विसाष

वातः आदि उषः वरुपति

शु क ॥

१ मारवादि नन धात्रा एम

पु नु वे ध क मे

उ उ उ रु विः स्वाः मृ आः पुः

निः मः वि शु क वातः वरुपति

आदि म नै म ल शु क

व र म क षा वा

न. अग्निः प. हस्तः

चिन्ता स्याति विसाधः अनु

ध. वातः य. वृ. हस्तः

१ साक्ष्यमत्रमकम्

मिः हः पुः विः अनु

ध. नाहिनि उडउः न स्वा

हस्तः

विन्ता ह

अग्नी न

वातः उ. हस्तः शुक्रः

उक्तमया शकम्

अग्निः अनुः नमः मुत्तः पुः

मिः हस्तः धः

अग्निः वातः अंगमत्ताति

२ मध्यमयाग

नाहिनिः पुवासाहमी

पुवासाहः पुवहः स्वाधि

चित्ता नावधः वातः आः

मरुती

वातः उध. हस्तः शुक्रः

अधमयाग

विसारवः उक्तमया शकम्

उक्तमया शकम्

वातः अंगमत्ताति

मरुती

अनिवा. नी । कु. ७
ह. स्वा. अस्तु वाज

७८७ मास
वैष्णव का मी गन रु
प्रति पक्षदिन ॥ हः धः मः नः
नैः तिः मः नः धः नैः तिः मः नः

ॐ स्वा ॥ ॐ न
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
वा ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

वातः उः साः दृः ५३
लेनीः तिरु दृः क्रीः विः की
मिः ॥ मासमाद्यैः वर्सा ॥

कवि कर्म ॥ स्वाः विः श्रः
पुः चः मूः न श्रिः ॥ उड्ड
पुः निः नाः मः नः यः मः

वात ॥ उषः वृष्यति शुक्र
सोमः ॥ तृणं मा क मी

विष्णुः
॥ वात्र